ALL INDIA FORUM AGAINST PRIVATISATION (AIFAP)

AN ATTACK ON ONE IS AN ATTACK ON ALL!

Website: https://aifap.org.in
Email: contact@aifap.org.in

WhatsApp Number:
+918454018757

15 फरवरी 2022

प्रति
श्री प्रताप रेड्डी
महा सचिव
आंध्र प्रदेश राज्य बिजली कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (APSPEJAC)

सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फोरम (AIFAP) की ओर से हम श्री दामोदरम संजीवैया थर्मल पावर स्टेशन (SDSTPS) स्टेज-I और स्टेज-II के संचालन, रखरखाव और संपत्ति को निजी कंपनियों को सौंपने के लिए 22 जनवरी 2022 को लिए गए आंध्र प्रदेश सरकार के फैसले के खिलाफ आप जो संघर्ष कर रहे हैं, उसका हम अपने तहे दिल से समर्थन व्यक्त करते हैं।

SDSTPS की स्टेज - I इकाइयाँ (2x800 MW) पिछले 7 वर्षों से परिचालन में हैं और SDSTPS की तीसरी इकाई वाणिज्यिक संचालन की घोषणा के लिए तैयार हो रही है। इन परियोजनाओं को लोगों के पैसे से खड़ा किया गया है। और अब राज्य सरकार इन लोगों की संपत्ति एक निजी पार्टी को सौंपना चाहती है। यह एक असामाजिक कार्रवाई है जिसका विरोध किया जाना चाहिए।

आंध्र प्रदेश सरकार दावा कर रही है कि SDSTPS द्वारा ली जाने वाली टैरिफ दर पड़ोसी निजी बिजली संयंत्र की तुलना में अधिक है और बिजली संयंत्रों को निजी पार्टी को सौंपने से उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ कम हो जाएगा। परन्तु, SDSTPS द्वारा लगाए गए टैरिफ की तुलना निजी कंपनियों द्वारा लगाए गए टैरिफ से सीधे नहीं की जा सकती क्योंकि वे विभिन्न नियमों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।

हरजगह जहां बिजली उत्पादन या वितरण का निजीकरण किया गया है, वहां लोगों का अनुभव बिल्कुल विपरीत है। निजी खिलाड़ी, जिनका एकमात्र उद्देश्य अधिकतम लाभ अर्जित करना है, विभिन्न हथकंडे अपनाते हैं जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता बहुत अधिक टैरिफ का भुगतान करते हैं। हाल का अनुभव जब निजी बिजली उत्पादन

कंपनियों ने कोयले की कमी का फायदा उठाया और राज्य यूटिलिटीज को तीन गुना या चौगुना टैरिफ देना पड़ा, वह लोगों की स्मृति में काफी ताजा है। इसलिए ऐसा कदम जनविरोधी है।

एपी बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों को उनके न्यायसंगत संघर्ष करने से रोकने के लिए, राज्य सरकार और राज्य बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण कंपनियों के प्रबंधन झूठे पुलिस मामले दर्ज करके, स्थानांतरण करके, वेतन में देरी करके, पदोन्नति से इंकार करके नेताओं और विभिन्न संघ कार्यकर्ताओं पर हमला करते रहे हैं। यदि SDSTPS का निजीकरण किया जाता है तो ऐसे हमले कई गुना बढ़ेंगे। यह अनुबंध के उच्च स्तर को भी बढ़ावा देगा।

बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (NCCOEEE) अन्य बिजली क्षेत्र के संगठनों और श्रमिकों के संघों, किसान संगठनों के साथ-साथ लोगों के संगठनों के समर्थन के सभी घटकों के दृढ़ विरोध के कारण, केंद्र सरकार 2020 या 2021 में बिजली अधिनियम संशोधन विधेयक पेश करने में सफल नहीं हुई। लेकिन आंध्र प्रदेश सरकार की तरह, कई अन्य राज्य सरकारें विभिन्न बहाने देते हुए निजीकरण की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

हाल के दिनों में यूपी, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी सहित देश के कई हिस्सों में बिजली कर्मचारी निजी इजारेदारों को लोगों की लूट बढ़ाने और श्रमिकों के श्रम का शोषण करने में सक्षम बनाने के लिए विभिन्न सरकारों की नापाक योजनाओं को विफल करने में सफल रहे हैं। उन्हें सबसे पहले इसलिए सफलता मिली है क्योंकि पूरे देश के बिजली कर्मचारियों ने विचारधारा और संबद्धता की सभी बाधाओं को पार किया और बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (NCCOEEE) के बैनर तले एकजुट हो गए हैं।

NCCOEEE और उसके घटकों के नेता पूरे देश में बिजली कर्मचारियों के संघर्षों का सक्रिय रूप से समर्थन करते रहे हैं। एक अन्य कारक जो इन संघर्षों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण रहा है, वह यह है कि उन्होंने उपभोक्ताओं को बहुत सक्रिय रूप से समझाया है, जिनकी संख्या करोड़ों में है, कि बिजली का निजीकरण उनके हितों के लिए हानिकारक क्यों है। उसी खतरे का सामना कर रहे चंडीगढ़ ने भी जन संगठनों का समर्थन जुटाना शुरू कर दिया है।

AIFAP आपके द्वारा छेड़े जा रहे संघर्ष का पूरा समर्थन करता है साथ ही NCCOEEE और उसके घटक आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा SDSTPS के निजीकरण के खिलाफ हैं।

हम "एक पर हमला सभी पर हमला है!" के नारे पर विश्वास करते हैं और उसे लागू करते हैं। और हमें विश्वास है कि विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों की मदद से आप भी सफल होंगे!

आपके साथ एकजुटता में,

सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फोरम

घटक (अंग्रेजी वर्णमाला क्रम में)

1) एयर इंडिया एम्प्लोयीज यूनियन (AIEU),
2) एयर इंडिया सर्विस इंजिनियर्स एसिओसेशन (AISEA),
3) ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसिओसेशन (AIBOA),
4) ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन (AICWF),
5) ऑल इंडिया कॉन्फेडरेशन ऑफ एससी/एसटी ऑर्गेनाजेशंस (ऑल इंडिया परिसंघ),
6) ऑल इंडिया डिफेन्स एम्पलोयीज फेडरेशन (AIDEF),
7) ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रीसिटी एम्पलोयीज (AIFEE),
8) ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स (AIFOPDE),
9) ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल (AIGC),
10) ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (AILRSA),
11) ऑल इंडिया न्यू पेंशन स्कीम (NPS) एम्प्लोयीज फेडरेशन,
12) ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे एम्प्लोयीज एसोसिएशन - उत्तर रेलवे,
13) ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसोसिएशन (AIPMA),
14) ऑल इंडिया पोर्ट एंड डॉक वर्कर्स फेडरेशन (AIPDWF),
15) ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (AIPEF),
16) ऑल इंडिया रेलवे एम्पलोयीज कॉन्फेडरेशन (AIREC) - पश्चिमी क्षेत्र,
17) ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर्स यूनियन (AIRTU),
18) ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन (AIRF),
19) ऑल इंडिया शेडूल्ड कास्ट शेडूल्ड ट्राईब एम्प्लोयीज एसिओसेशन (AISCSTREA),
20) ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन (AISMA),
21) ऑल इंडिया ट्रेन कंट्रोलर्स एसोसिएशन (AITCA),
22) आंध्र प्रदेश स्टेट पॉवर एम्प्लोयीज जॉइंट एक्शन कमिटी (APSPEJAC),
23) बहुजन समाजवादी मंच (BSM),
24) भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (BEML) एम्प्लोयीज एसिओसेशन, पलक्कड़, केरल

25) भारत पेट्रोलियम टेक्नीकल और नौन- टेक्नीकल एम्पलोयीज एसोसिएशन (BPTNTEA) - मुंबई रिफाइनरी,
26) भारतीय रेलवे मज़दूर यूनियन (BRMU) एसडव्लू रेलवे, हुबली,
27) बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिसिटी एंड ट्रांसपोर्ट (BEST) एम्प्लोयीज यूनियन,
28) बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिसिटी एंड ट्रांसपोर्ट (BEST) कामगार संघटना,
29) चित्तरंजन लोको वर्क्स (CLW) रेलवेमेन्स यूनियन, चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल,
30) चित्तरंजन रेलवेमेन्स कांग्रेस (CRMC), चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल,
31) कोचीन रिफाइनरी एम्पलोयीज एसोसिएशन (CREA-INTUC),
32) कोचीन रिफायनरीज वर्कर्स एसोसिएशन (CRWA)-CITU,
33) कन्टेनर कॉर्पोरेशन (CONCOR) एम्पलोयीज यूनियन,
34) दक्षिण रेलवे एम्पलोयीज यूनियन (DREU),
35) डीजल लोको आधुनिकीकरण वर्क्स (DMW) रेलवेमेन्स यूनियन, पटियाला, पंजाब,
36) डीजल लोको वर्क्स (DLW) मेन्स यूनियन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश,
37) डीएमडव्ल्यू रेलवे वर्कर्स यूनियन (DMWRWU), पटियाला, पंजाब,
38) इलेक्ट्रीसिटी एम्पलोयीज फेडरेशन ऑफ इंडिया (EEFI),
39) हिंद खदान मजदूर फेडरेशन (HKMF),
40) हिंद मज़दूर सभा (HMS) - तेलंगाना,
41) हिंदुस्तान पेट्रोलियम एम्पलोयीज यूनियन, विशाखापत्तनम रिफाइनरी,
42) इंडियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन (INWEF),
43) इंडियन रेलवे लोको रनिंगमेन ऑर्गनाइजेशन (IRLRO),
44) इंडियन रेलवे टिकटचेकिंग स्टाफ ऑर्गनाइजेशन (IRTCSO),
45) इंटीग्रल कोच फैक्ट्री मजदूर संघ (ICFMS), चेन्नई, तमिलनाडु,
46) इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री (ICF) लेबर यूनियन, चेन्नई, तमिलनाडु,
47) जम्मू कश्मीर पावर एम्प्लोयीज एंड इंजीनियर्स कॉर्डिनेशन कमिटी (JKPEECC),
48) जॉइंट एक्शन फ्रंट ऑफ़ पब्लिक सेक्टर ट्रेड यूनियनस ऑफ़ बैंगलोर,
49) कामगार एकता कमिटी (KEC)/मजदूर एकता कमिटी (MEC)/तोयिलाली ओट्टूमइ इयक्कम (TOI),
50) लोक राज संगठन (LRS),
51) मध्य प्रदेश यूनाइटेड फ़ोरम ऑफ पॉवर एम्प्लोयीज इंजीनियर्स,
52) महाराष्ट्र स्टेट बैंक कर्मचारी संघ (MSBEF),
53) महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन (AITUC),

54) मेन्स कांग्रेस डीजल लोको वर्क्स (MCDLW) वाराणसी, उत्तर प्रदेश,
55) मुंबई एवं उपनगर माध्यमिक शिक्षक संघ,
56) नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (NFIR),
57) नेशनल फेडरेशन ऑफ टेलिकॉम एम्पलोयीज (NFTE)-BSNL,
58) नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेन्शन स्कीम (NMOPS),
59) नेशनल रेलवे मजदूर यूनियन (NRMU), मध्य रेलवे/कोंकण रेलवे,
60) नीलाचल एक्जिक्यूटिव्ज एसोसिएशन, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (NINL),
61) पोर्ट, डॉक एंड वाटरफ्रंट वर्कर्स फेडरेशन (AITUC),
62) पुरोगामी महिला संगठन (PMS),
63) रेल कोच फैक्ट्री (RCF) मेन्स यूनियन, कपूरथला, पंजाब,
64) रेल कोच फैक्ट्री (RCF) मेन्स यूनियन, रायबरेली, उत्तर प्रदेश,
65) रेल कोच फैक्ट्री मजदूर यूनियन (RCFMU), कपूरथला, पंजाब,
66) रेल कोच फैक्ट्री मेन्स कांग्रेस (RCFMC), रायबरेली, उत्तर प्रदेश,
67) रेल व्हील फैक्ट्री (RWF) मजदूर यूनियन, बैंगलोर, कर्नाटक,
68) रेल व्हील फैक्ट्री कार्मिक संघ (RWFKS), बैंगलोर, कर्नाटक,
69) रिसर्च डिजाइन और स्टेंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (RDSO) कर्मचारी संघ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश,
70) संचार निगम एक्जिक्यूटिव्ज एसोसिएशन (SNEA)-BSNL,
71) शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (SCI) ऑफिसर्स एसोसिएशन,
72) सिंगरेनी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन (AITUC),
73) सिंगारेनी माइनर्स एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन (HMS) - तेलंगाना,
74) सबोर्डिनेट इंजीनियर्स एसिओसेशन (एम्एसईबी),
75) सूरत ट्रेड यूनियन कौंसिल (STUC),
76) टीचर्स डेमोक्रेटिक फ्रंट मुंबई (TDF),
77) यूनियन टेरीटरी (यूटी) पॉवरमेन्स यूनियन, चंडीगढ़,
78) अनऔर्गेनाईज्द वर्कर्स एंड एमप्लोयीज कॉग्रेस,
79) वाटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (CITU),
80) वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्प्लोयीज यूनियन (WCREU).